



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.
नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 09-06-2026

सोलान(हिमाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-06-09 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-06-10	2026-06-11	2026-06-12	2026-06-13	2026-06-14
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	8.0	4.0	3.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	36.0	30.0	29.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	18.0	19.0	17.0	16.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	42	50	78	74	72
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	15	18	22	30	31
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	9	9	8	9
पवन दिशा (डिग्री)	65	76	85	74	67
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	8	7	5
चेतावनी	लू	लू	आंधी और बिजली, तूफान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

अगले पाँच दिनों के दौरान जिले में मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। 11 से 13 जून के बीच जिले के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.0 से 36.0°C तथा 16.0 से 19.0°C के बीच रहने की संभावना है। उत्तर-पूर्व दिशा से 7.9 से 9.0 किमी/घंटा की गति से हवाएँ चलने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता 15 से 78 प्रतिशत के बीच बनी रह सकती है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

❖ 9 एवं 10 जून को जिले के कुछ क्षेत्रों में लू (हीट वेव) की स्थिति बनने की संभावना है। इसके उपरांत 11 से 13 जून के दौरान गरज-चमक, बिजली गिरने तथा तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान की संभावना है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

❖ लू (हीट वेव) की स्थिति में फसलों में वाष्पोत्सर्जन (Evapotranspiration) की दर बढ़ सकती है। अतः फसलों में सिंचाई प्रातःकाल या सायंकाल करें तथा नमी संरक्षण के लिए लगभग 10 सेमी मोटी सूखी घास की मल्ट चिखाएँ।
❖ किसान तेज़ धूप एवं अत्यधिक गर्मी के सीधे संपर्क से बचें, शरीर को ठंडा रखें, निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें तथा अनावश्यक रूप से दोपहर के समय बाहर निकलने से बचें। ❖

गरज-चमक एवं बिजली गिरने की संभावना के दौरान किसान खुले खेतों में जाने से बचें। ऊँचे पेड़ों, बिजली के खंभों तथा अन्य ऊँची वस्तुओं से दूर रहें और सुरक्षित स्थान पर शरण लें।

सामान्य सलाहकार:

□ मृदा में नमी संरक्षण हेतु पौधों के थालों (बेसिन) में 10-15 सेमी मोटी सूखी घास की मल्टच बिछाएँ। □ वर्तमान मौसम परिस्थितियों को देखते हुए फसलों में नए कीटों एवं रोगों के प्रकोप की नियमित निगरानी करें। □ फसल-विशिष्ट कृषि मौसमीय सलाह (एग्रो-एडवाइजरी) का नियमित रूप से पालन करें। □ खेतों में समय-समय पर निराई-गुड़ाई (Weeding and Hoeing) का कार्य करें, जिससे खरपतवार नियंत्रण के साथ मृदा में वायु संचार भी बना रहे। □ पौध संरक्षण संबंधी उपाय एवं कीटनाशकों/फफूंदनाशकों का छिड़काव साफ एवं शुष्क मौसम में करें।

लघु संदेश सलाहकार:

□ स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त करने हेतु Meghdoot App का उपयोग करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	❖ 11 जून से आगे के दिनों में सापेक्षिक आर्द्रता बढ़ने की संभावना को देखते हुए सेब के बागानों में स्कैब (Scab) एवं अल्टरनेरिया लीफ स्पॉट (Alternaria Leaf Spot) रोग की नियमित निगरानी करें, क्योंकि मौसम इन रोगों के विकास के लिए अनुकूल हो सकता है। ❖ यदि पत्तियों पर रोग के लक्षण दिखाई दें, तो मौसम साफ एवं शुष्क होने पर (13 जून के बाद) प्रभावित बागानों में मेटिराम 55% + पाइराक्लोस्ट्रोबिन 5% WG का 200 ग्राम प्रति 200 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। आवश्यकता होने पर 10-12 दिन के अंतराल पर वैकल्पिक रूप से पुनः छिड़काव करें। ❖ सेब में स्कैब रोग के प्रभावी नियंत्रण हेतु फल विकास अवस्था (Fruit Development Stage) पर प्रोपिनेब का 600 ग्राम प्रति 200 लीटर पानी की दर से छिड़काव मौसम साफ एवं शुष्क रहने पर करें।
खुबानी	❖ जिले में 11 जून से संभावित प्रतिकूल मौसम को देखते हुए जिन फलों की फसल पूर्ण परिपक्वता के निकट है, किसान उन्हें 11 जून से पहले ही तुड़ाई कर सुरक्षित स्थान पर भंडारित कर लें, ताकि संभावित मौसमजनित क्षति से बचा जा सके। □ गिरे हुए फलों को एकत्रित करके कम से कम 45 सेमी गहरे गड्ढे में दबा दें, ताकि कीट एवं रोगों के प्रसार को रोका जा सके।
खीरा	❖ लाल कद्दू भृंग (Red Pumpkin Beetle) के प्रकोप से बचाव हेतु कद्दूवर्गीय फसलों की नियमित निगरानी करते रहें और प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर समय रहते नियंत्रण उपाय अपनाएँ। ❖ लाल कद्दू भृंग के प्रभावी प्रबंधन के लिए मौसम साफ रहने पर स्थानीय पारंपरिक ज्ञान (Indigenous Knowledge) के अनुसार पौधों पर गोबर की राख का छिड़काव/बुरकाव 3-4 बार, एक-एक सप्ताह के अंतराल पर करें। इससे कीट के प्रकोप को कम करने में सहायता मिलती है।
टमाटर	□ टमाटर की फसल में वृद्धि अवस्था के दौरान पौधों को उचित सहारा (स्टेकिंग) प्रदान करें, जिससे पौधों के गिरने की संभावना कम हो, वायु संचार बेहतर हो तथा फल की उपज एवं गुणवत्ता में वृद्धि हो। □ मृदा जनित रोगों के प्रकोप को कम करने हेतु पौधों की निचली पत्तियों को भूमि सतह से 10-15 सेमी ऊँचाई तक हटा दें। □ खेत में जलभराव से बचाव हेतु उचित निकास (ड्रेनेज) नालियों की व्यवस्था करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	□ गरज-चमक एवं बिजली गिरने के दौरान पशुओं को खुले स्थान पर न बांधें तथा उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखें। □ पशुओं को पर्याप्त स्थान (छायादार शेड) में रखें तथा उन्हें समय-समय पर स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं। □ गर्मी से राहत देने के लिए पशुओं के शरीर, विशेषकर पैरों और खुरों पर समय-समय पर पानी का छिड़काव करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	<p>□ प्राकृतिक खेती करने वाले किसान साफ मौसम की स्थिति के दौरान अग्निअस्त्र, ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क का साप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत और जीवामृत का नियमित अंतराल पर 10.0 प्रतिशत का छिड़काव करके कीटों के हमले को नियंत्रित कर सकते हैं। □ पौधों के चारों ओर सूखी पत्तियों जैसी जैविक मल्व का उपयोग करें, जिससे मिट्टी में नमी संरक्षित रहे और खरपतवारों की वृद्धि पर नियंत्रण किया जा सके।</p>

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

❖ तापमान में वृद्धि के कारण फसलों में वाष्पोत्सर्जन (Evapotranspiration) की दर बढ़ सकती है, जिससे मिट्टी की नमी तेजी से कम होगी। अतः आवश्यकतानुसार समय पर सिंचाई करें तथा नमी संरक्षण के लिए मल्व का प्रयोग करें।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

❖ फसलों में सिंचाई प्रातःकाल अथवा सायंकाल करें। मिट्टी की नमी बनाए रखने एवं वाष्पीकरण कम करने के लिए लगभग 10 सेमी मोटी सूखी घास की मल्व बिछाएँ। ❖ किसान तेज़ धूप एवं अत्यधिक गर्मी के सीधे संपर्क से बचें, शरीर को ठंडा रखें, निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें तथा आवश्यकता होने पर छायादार स्थान पर विश्राम करें। ❖ गरज-चमक एवं बिजली गिरने की संभावना के दौरान किसान खुले खेतों में जाने से बचें। ऊँचे पेड़ों, बिजली के खंभों तथा अन्य ऊँची वस्तुओं से दूर रहें और सुरक्षित स्थान पर शरण लें।

Farmers are advised to download Unified Mausam and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details